

माँ वैष्णो देवी आरती

जय वैष्णवी माता, मैया जय वैष्णवी माता ।

हाथ जोड़ तेरे आगे, आरती में गाता ॥

॥ जय वैष्णवी माता...॥

शीश पे छत्र विराजे, मूरतिया प्यारी ।

गंगा बहती चरनन, ज्योति जगे न्यारी ॥

॥ जय वैष्णवी माता...॥

ब्रह्मा वेद पढ़े नित द्वारे, शंकर ध्यान धरे ।

सेवक चंवर डुलावत, नारद नृत्य करे ॥

॥ जय वैष्णवी माता...॥

सुन्दर गुफा तुम्हारी, मन को अति भावे ।

बार-बार देखन को, ऐ माँ मन चावे ॥

॥ जय वैष्णवी माता...॥

भवन पे झण्डे झूलें, घंटा ध्वनि बाजे ।

ऊँचा पर्वत तेरा, माता प्रिय लागे ॥

॥ जय वैष्णवी माता...॥

पान सुपारी ध्वजा नारियल, भेंट पुष्प मेवा ।

दास खड़े चरणों में, दर्शन दो देवा ॥

॥ जय वैष्णवी माता...॥

जो जन निश्चय करके, द्वार तेरे आवे ।

उसकी इच्छा पूरण, माता हो जावे ॥

॥ जय वैष्णवी माता...॥

इतनी स्तुति निश-दिन, जो नर भी गावे ।

कहते सेवक ध्यानू, सुख सम्पत्ति पावे ॥

॥ जय वैष्णवी माता...॥

जय वैष्णवी माता, मैया जय वैष्णवी माता ।

हाथ जोड़ तेरे आगे, आरती मैं गाता ॥

॥ जय वैष्णवी माता...॥

